सैनिक प्रशिक्षण

४५९. { श्री भक्त दर्शन :
श्री स० चं० सामन्त :

क्या प्रतिरक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि अनेक देशों के कई सैनिक पदाधिकारी १९५० से भारत में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं ;

(ख) यदि हां, तो किन-किन देशो ने भारत मे प्रशिक्षण के लिये अब तक अपने पदाधिकारी भेजे है ;

(ग) प्रत्येक देश के कितने पदाधिकारी अपना प्रशिक्षण पूरा करके वापिस चले गये है और कितने अभी भारत मे प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे है ; और

(घ) यह प्रशिक्षण किन शर्तों पर दिया जा रहा है ?

प्रतिरक्षा मंत्री (श्री कृष्ण मेनन) : (क) जी हा, भिन्न देशो की सशस्त्र सेनाओ के आफिसरो की एक संख्या हमारी सेवा-संस्थाओ मे प्रशिक्षण पा रही है ।

(ख) अफगानिस्तान, आस्ट्रेलिया, भूटान, बर्मा, कनेडा, श्री लंका, मिस्र, ईथोपिया, फ़ास, इंडोनेशिया, ईरान, नेपाल, सूडान, सीरिया, यू० के०, यूनाइटेड स्टेट्स आफ अमेरिका और युगोस्लाविया ।

(ग) तथा (घ). सूचना शीघ्र नही दी जा सकती क्योंकि साधारण प्रथा के अनुसार संबद्ध देशों की अनुमति लेना आवश्यक है ।

I. N. S. "Mysore"

460. { **Shri Goray:**
Shri Morarka:
Shri Nathwani:

Will the Minister of Defence be pleased to state:

(a) the price paid for I. N. S. "Mysore";

(b) the charges paid for its repairs and refitting;

(c) the steps taken to train Indian marine engineers during renovation of I.N.S. "Mysore"; and

(d) whether any enquiries were made to find out whether any other country was prepared to sell India cruisers before I.N.S. "Mysore" was purchased?

The Deputy Minister of Defence (Shri Raghuramaiah): (a) and (b). The ship has been purchased from the Government of the United Kingdom and has been modernised and refitted under arrangements arrived at with that Government. The charges are not yet known finally.

(c) A Corps of Naval Constructors has been formed with a view to build warships, progressively, in India. For this, Naval Architects are being given advanced training in the United Kingdom.

(d) No, but to the best of their knowledge, Government were not aware of any other source from which a cruiser of the type of I.N.S. "Mysore" would have been available for the Indian Navy.

Supply of Periodicals to Army

461. **Shri N. R. Munisamy:** Will the Minister of Defence be pleased to state:

(a) the number and names of Tamil periodicals which are supplied to the Army;

(b) whether it is a fact that periodicals in other South Indian languages are also supplied to the Army; and